सत्य और अर्थपूर्ण जीवन की खोज करने वालों के लिए

मृत्युंजय ख्रिस्त

लेमेन्स इवैंजलिकल फैलोशिप इंटरनेशनल, नवम्बर-दिसम्बर, 2013

बैतलेहम का सफर

छठे महीने में परमेश्वर की ओर से जिब्राईल स्वर्गदूत नासरत नामक गलील के नगर में, एक कुंवारी के पास भेजा गया जिसकी मंगनी यूसुफ नामक एक पुरुष से हुई थी जो दाउद के वंश का था, और उस कुवांरी का नाम मरियम था। और भीतर आकर स्वर्गदूत ने उस से कहा, 'हे प्रभु की कृपापात्री, सलाम ! प्रभु तेरे साथ है।' लूका (2:26-27)

सभी धर्मों के अपने पर्व होते है। बहूधा इन पर्वों में अधार्मिकता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। मसीही लोगों के गिने-चुने पर्व हैं। मसीह का जन्म और उनकी मृत्यु और पुनरुत्थान का दिन उनमें महत्वपूर्ण हैं। मसीह के जन्मदिन पर लोगों का खुशी मनाना सही बात है। स्वर्गदूतों ने भी उस दिन अपने गीत गाये हैं।

बैतलेहम का सफर.. पृष्ठ 3 पर

आत्मिक उन्नति के लिए देखना न भूलें।

परमेश्वर की चुनौती

Zee News

चैनल पर

हर ***रविवार सुबह 6:00 से 6:30*** *बजे*

क्रिसमस पर परमेश्वर का निर्देशन

'तब युसूफ नींद से जाग उठा और परमेश्वर के स्वर्गदूत के आज्ञानुसार उसे ब्याह करके ले आया, और मरियम के पास तब तक नहीं गया जब तक वह पुत्र न जनी। औऱ युसूफ ने उसका नाम यीशु रखा।' मत्ती (1:24,25)

हम लोग क्रिसमस की सादगी से बहुत ही दूर हो गए हैं। सभी चरित्र जो क्रिसमस के अवसर पर सामने आते हैं वे मार्गदर्शन पाने के लिए तैयार थे। वे परमेश्वर के द्वारा चलाए जाने को तैयार थे। यही हमारी समस्या है। हम परमेश्वर के द्वारा चलाए जाने के इच्छुक नहीं हैं। मैं चाहता हूँ कि परमेश्वर मुझे निर्देश दें। मैं बहुत मूर्ख था। मेरे जीवन का क्या हु आ होता यदि यीशु मेरी पतवार को न थामे होते और मेरी किशोरवस्था से ही मुझे निर्देश देना आरंभ न किये होते। और य दि उस समय से मेरा भरोसा परमेश्वर के निर्देश पर न होता।

आज हमने एक बहुत ही मजबूत निर्देशक को पाया है और वह है - धन। धन हमारे जीवन का निर्देशक बन गया है। हर जगह लोग पूछते हुए दिखते हैं, "पैसा कहां है। हम पैसे कैसे कमा सकते हैं। " हम उस सोच से अलग हो गये हैं जो कहता है, "परमेश्वर कहां है जो मुझे निर्देश दे और मेरे परिवार के मार्ग को निर्देशित करे। " हम यह नहीं कहते, "परमेश्वर कहां है। " क्या हमारे पास कोई क्रिसमस की कहानी होती यदि ये लोग परमेश्वर के निर्देशन को स्वीकार नहीं किये होते। हमारे व्यक्तिगत जीवन में इस तरह की क्रिसमस की कहानी एकदम नहीं है। वे परमेश्वर से निर्देश पाने को ललायित थे। मेरे प्रिय मित्रों, मैं एक हठीला और घमंडी लड़का था, पर प्रभु यीशु ने क्रूस के पास मे री घमंडी इच्छा को तोड़ डाला और मैं अपने जीवन के हरेक कदम में परमेश्वर के निर्देशन को चाहना आरंभ कर दिया। वे किसी भी मूल्य पर परमेश्वर के आज्ञा मानने को तैयार थे। वही क्रिसमस की सच्ची आत्मा है। पर आज हम क्रिसमस की इस सच्ची आत्मा से बहुत दूर भटक गए हैं।

युसूफ एक साधारण बढ़ई था। पर कितनी इच्छा और तत्परता से उसने परमेश्वर की आज्ञा मानी। जब प्रभु के स्वर्गदूत ने उससे कहा, "हे युसूफ, दाऊद के पुत्र, तू मरियम को अपनी

पत्नी बनाने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है वह पवित्र आत्मा की ओर से है। " मत्ती 1:20 उसने तुरं त परमेश्वर की आज्ञा मानी। "तब युसूफ नींद से जाग उठा और जैसे स्वर्गदूत ने उससे कहा था उसने मरियम को अपनी पत्नी बनाकर ले आया। " बाद में जब प्रभु के स्वर्गदूत ने युसूफ को मिस्र जाने को कहा। "वह उठा, और रात ही रात बालक और उसकी माता को लेकर मिस्र को चला गया। " वह परमेश्वर के निर्देश के अनुसार कार्य करने वाला व्यक्ति था। प्रत्येक चीज निर्भर करती है कि हम निर्णायक कार्य को सही समय पर पूरा करें। क्रिसमस की कहानी में किसी व्यक्ति ने भी अपनी इच्छा का पालन नहीं किया। मुख्य दृश्य में प्रत्येक अपनी जगह पर बिलकुल सटीक बैठा था। वही सच्चा क्रिसमस है – ख्रीष्ट में अपनी भूमिका को खोजना और उसको पूरा करना है।

आज प्रकाशन की आत्मा कहां है। हमने देखा कैसे शिमौन "आत्मा के द्वारा प्रेरित होकर मंदिर में आया" ठीक उसी समय जब बालक यीशु को उसके माता पिता मंदिर में लाए और शिमौन ने कहा, "मेरी आंखों ने तेरे उद्धार को देख लिया है। " लूका (2:30) क्रिसमस की कहानी के चरित्र अपनी इच्छा से परमेश्वर की इच्छा द्वारा चलाए गए। आज का ज्वलन्त प्रश्न है : क्या हम परमेश्वर की आत्मा के द्वारा चलाए जाने के लिए इच्छुक हैं ? परमेश्वर उन लोगों को बहुतायत से आशिष देंगे जो उनके निर्देश को अपने जीवन में लेने को इच्छुक हैं।

प्रकाशन की आत्मा एक आश्चर्यजनक चीज है। मेरे पिता के जीवन के दौरान हुई आत्मिक जागृति में, बहुत से बड़े कलीसियाओं में लोग अपने पापों के लिए टूटे हृदय से रो पड़े। वे अत्यधिक लोगों से व्यक्तिगत तौर पर बात नहीं कर सकते थे, इसलिये लोगों से कहते थे, "अकेले में जाईए और प्रार्थना कीजिए, परमेश्वर आपसे बातें करेंगे।" हम एक दूसरे से पूछा करते कि परमेश्वर ने उनसे क्या बातें की हैं ? परमेश्वर ने आपको क्या प्रतिज्ञा दी है ? क्या उन्होंने बातें की हैं कि आपके पाप क्षमा हुए? हम अपनी कुछ भावनाओं पर भरोसा नहीं करते थे। हमारी भावनाएं परिस्थिति के साथ बदलती हैं, पर परमेश्वर की प्रतिज्ञा कभी नहीं बदलती है। परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं में अधिकार होता है जो आपके जीवन में आशा और विश्वास लाता है।

वह स्त्री जिसने यीशु मसीह के पैरों को धोया उससे यीशु ने कहा, "स्त्री तेरे पाप क्षमा हुए... तेरे विश्वास ने तेरा उद्धार किया है, कुशल से चली जा। " लूका (7:48 और 50), उसके पाप जो बहुत थे क्षमा कर दिए गए। क्या आप कहेंगे कि वह कभी इन बातों पर संदेह की होगी। नहीं, जब उद्धारकर्त्ता बोलते हैं, तब आप में सामर्थ प्रवेश करता है। वही सामर्थ आपको आगे भी ले जाएगा।

यीशु को देखना, मैं यीशु को हर समय कहता हूं, "प्रभु मैं निर्माण करनेवाला नहीं हूं। मैं एक चीज भी नहीं कर सकता हूं। मैं वह करने में योग्य नहीं हूं। आप निर्माण करनेवाले हैं।" जब हमारी सभा में परमेश्वर का प्रभाव बड़ी भीड़ पर आता हैं, लोग अपने पापों से पश्चाताप करते हैं और कुछ लोग तुरन्त परमेश्वर द्धारा स्पर्श किए जाते हैं। यही मेरा भरोसा है। मैं परमेश्वर का स्पर्श और उनका प्रकाशन चाहता हूं। इस क्रिसमस के समय केवल यह प्रश्न है, "प्रभु इस क्रिसमस के समय हमसे क्या बातें करना चाहते हैं?"

इस क्रिसमस के अवसर पर, लोग अपने प्रियों को उपहार देने की बातें करते हैं। हमें किस सच्चे उपहार की आवश्यकता है ? मैंने अपनी पत्नी से कहा, "कृपया बच्चों से कहो। मैं क्रिसमस के किसी उपहार को नहीं चाहता हूं। मैं अपने सब बचचों मे चाहता हूं कि सब में नम्र और दीन आत्मा

ALLAHABAD : Beautiful Books, 194A, Old Mumford Ganj,Pin Code-211 002, Uttar Pradesh, Ph.0532- 2642872.
BANSI : Eton English Medium School,Chitaunakothi,Siddharth Nagar Dt, Pin Code-272 153, Uttar Pradesh, ph.05545-255002
CHENNAI : LEF Head Quarter, 9-B, Nungambakkam High Road, Chennai, 600 034, 044-2827 2393
MUMBAI : Beautiful Books,Hotel Victoria, Ground Floor,SBS Marg,Near GPO, CST, Pin Code.400001, Ph.022-56334763/ 25008840
GANGTOK : Beautiful Books, P.B.No.94,31A, National Highway, Below High Court, Sikkim, Pin Code.737101 Ph.03592-228733
SHILLONG : Beautiful Books, P.B.No.39, Nongrimbah Road, Laitumkarh,Pin Code.793003, 0364-2501355

हो।" बाइबल कहती है, "न्याय के मार्ग में वह दीन लोगों की अगुवाई करता है, और नम्र लोगों को वह अपने मार्ग की शिक्षा देता है।" भजन संहिता (25:9) हमें सभी को सामर्थी बनना है। हम कहते हैं कि "हम यह हैं और मैंने यह कार्य किया है। " प्रिय मित्रों, चरणी में कोई डींग मारने की बात नहीं थी। क्या हम यीशु की आराधना करते हैं जो उन्हें इस क्रिसमस में ग्रहणयोग्य हो। क्या हम उनके मन, उनकी अगुवाई और उनके नेतृत्व को इस क्रिसमस के समय खोज रहे हैं ? आनेवाले नव वर्ष के लिए हमें निर्देश की जरूरत है। परमेश्वर आपको इच्छा प्रदान करें कि आप अपने जीवन के प्रत्येक कदम में परमेश्वर की निर्देश का पालन करें।

- जोशुआ दानिएल

बैतलेहम का सफर... पृष्ठ 1 से

चरवाहे उनको देखने के लिए निकल पड़े। और उनको देखकर प्रसन्न हुए। दूर देश से ज्ञानी उनकी खोज में निकले। उन्होंने उस शिशु को देखकर उसकी आराधना की और अपनी भेंट चढ़ाई।

आओ, हम भी यही करें। हम यीशु को देखने के लिए सफर पर निकल चलें। सांसारिक सम्पत्ति से अपने मन को हटाकर स्वर्ग के राजा की ओर फिर जाएं। हम में से कुछ लोग अपनी सांसारिक अक्लमंदी और शिक्षा की वजह से परमेश्वर से दूर होते जा रहे हैं। हम अपने लिए अपने सोने, लोबान और गन्धरस को अपने स्वार्थ के लिए ताला लगाकर बैठे हैं। यह सब उनको भेंट करने के लिए उनकी तालाश करते हुए हम अपनी आध्यात्मिक खोज में निकलें। हम उनकी खोज करें जो 'यहूदियों का राजा ' तथा इहलोक और परलोक का प्रभु बन कर जन्मा है। जो उ च्च शिक्षा पाये हैं उन्हे अपने आपको नम्र करना है। परमेश्वर को पाने के लिए उनको एक लम्बा सफर तय करना पड़ेगा। नबियों की नबूवतें, मनुष्यों से बाते करेंगी। सीधे-सादे चरवाहों से स्वर्गदूतों ने बात की। एक तारे का चिन्ह देखकर ज्ञानी लोगों ने बहुत दूर सफर किया। नबियों की नबूवतें, मनुष्यों से बाते करेंगी।

जिन लोगों ने यीशु को ढूंढा, उन्होंने उनको एक चरनी में पाया। वे घास से बनी शैया पर लेटा हुआ था। स्वर्ग का परमेश्वर एक नन्हा शिशु बनकर आया है। और एक पवित्र और सरल कुँवारी मरियम, की बाहों में लेटा हुआ है। राजाओं और धनी लोगों को यह सौभाग्य प्राप्त नहीं था कि वह इस पवित्र शिशु को उठायें। एक पवित्र कुँवारी, जिनसे स्वर्गदूत भेंट कर सकते थे उनको जन्मा और उनको पाला-पोसा। वह जो स्वर्गों के स्वर्ग में समाया हुआ है, एक नन्हे शिशु के रूप में आया है। इस स्तर तक अपने आपको सीमित करना महानता का स च्चा चिन्ह है। जो अपने आपको नम्र करता है , वह शक्तिशाली और महत्वपूर्ण स्थान पर पहुंचने लायक आदमी बनेगा। प्रभु उन्हीं से प्रेम करता है जो अपने आत्मा (मन) में नम्र होते हैं और टूटे हैं। परमेश्वर के बच्चे वही हैं जो अपने आप को नम्र कर सकते हैं और जो सब कुछ त्याग सकते हैं। यही राजकीय याजको के गुण हैं। अहंकारी उनके पास नहीं पहुँच सकते। वे उनकी आराधना नहीं कर सकते।

ईजेबल की पुत्री अतल्याह ने एक समय यहूदा पर शासन किया था। एक धर्मी राजा यहोशापात की वह बहू थी। जब उसने देखा कि उसका पति और पुत्र मारे गये तो उसने सारे राजपुत्रों को घात किया और शासन की लगाम अपने हाथों में ले ली।

तब यहोयादा जो याजक थे, अहज्याह के पुत्र योआश को लिया और उसको छहः साल तक छिपाए रखा। और बाद में उसका राज्याभिषेक किया। इस याजक को, राज वारिस योआश को उसकी दुष्ट नानी अतल्याह से बचाकर रखना पड़ा।

शैतान ने इस संसार के शासन का अपहरण किया है। मगर असली राजा, संसार के प्रारम्भ से पहले ही सहमत हुआ था कि वह इस दुनिया में आयेगा और अपहारक को नीचे गिरायेगा। तदनुसार वह एक कुँवारी से जन्म लेकर इस दुनिया में आया है, क्रूस पर मरने के लिए और तीसरे दिन फिर से जी उठने के लिए आया है। ताकि वह शासन का नियंत्रण अपने हाथों में लेले। चरनी में लेटे इस नन्हे शिशु में कितने लोग एक राजा को देख पायेंगे। 'प्रभु का सम्मान करो, ऐसा न हो कि वह क्रोधित हो जाए।' भजनसंहिता (2:12)

हनोक को अपनी सहभागिता में आकर्षित करने वाला वही है। हनोक ऐसा आदमी था जिसका अपना परिवार था। अपने ऊपर एक परिवार की जिम्मेवारी को संभाले, वह परमेश्वर के साथ-साथ चला। और यीशु ने उसको सशरीर अपने ही पास उठा लिया। प्रारम्भ के उन दिनों में ही यीशु ने स्वार्गारोहण के सामर्थ्य का प्रदर्शन किया। वही

है जिसने नूह से 120 वर्ष उद्धार का प्रचार करवाया था। वही है जिसने नूह से एक जहाज का निर्माण करवाया है, जो स्वयं उन्ही का प्रतीक है। इस संसार का न्याय करनेवाला वही है। उन दिनों में, जहाज़ के निर्माण का निर्देशन उन्होंने ही किया है और वह बात उनके प्रेम का प्रमाण है। आज वह प्रेम और सच्चाई का परमेश्वर है जो पाप की सामर्थ्य से हमें छुड़ायेगा। वह सत्य है, वह मार्ग है और वह जीवन है।

इब्राहीम को बुलाने वाला वही है। उसको और उसकी पत्नी को छूकर बुढ़ापे में उनको एक बेटा देनेवाला वही है। वही है जिसने यह प्रदर्शित किया कि जीवन देने वाला वह खुद है और उसके साथ कुछ भी असंभव नही है। मूसा की अगुवाई करनेवाला वही है। अपनी महान सामर्थ्य से फिरौन की सेना को गिरानेवाला वही है। वह युद्ध में शक्तिशाली है। वह धार्मिकता की तलवार को चलाता है। लाल समुद्र को दो भाग करके अपने जनों को सूखी भूमि पर चलानेवाला वही है। इस्राएलियों को बाल देवता की उपासना में ले चलने वाले आहाब के घराने का न्याय करने के लिए एलिय्याह को उठानेवाला वही है। सिंहों की मांद में दानिय्येल के साथ जो था वही है। और आग के बीच शद्रक, मेशक और अबेदनगो के साथ भी, 'मैं हूँ' यह महान नाम जिसका है वह वही है।

कई राज्यों का उत्थान और पतन हुआ है। कई राज्य गायब हो गये हैं। कुछ युरोपीय राजा हैं जिनका कोई सिंहासन नहीं है। इस संसार के राज्य सदा बने रहनेवाले नहीं है। ऐसा आदमी जो उनकी सेवा नहीं करता वह नष्ट होता है। ऐसे परिवार जो उनकी आराधना नहीं करते हैं वे टूट जाते हैं। ऐसे राज्य जो उसके सामने नहीं झुकते हैं वह बने नहीं रहेंगे। वह हमको अनन्त जीवन के मार्ग में चलना सिखाता है।

अनन्तकालीन राज्य की विधि उनके होठों से निकलती है। वह वचन है जो आदि में था और वह वचन परमेश्वर के साथ था। यह वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में आया और मनुष्य की ज़बान से मनुष्य की भाषा में बातें की।

वचन जो मनुष्य के रूप में आया है उसने अपने हाथ को आगे बढ़ाकर कोढ़ियों को चंगा किया और मरे हुओं को जिन्दा किया। परमेश्वर की महान सामर्थ्य ने उस में वास किया। जो एक स्त्री से जन्मा था। उस में दिव्य स्वभाव पूर्णता से प्रतिबिम्बित है। वह अनन्त परमेश्वर है जो हमें अपने ही स्वरूप में परिवर्तित कर सकता है। क्या वह एक आदमी मात्र दिख रहा है ? नहीं ! वह परमेश्वर है। उसके सामने अपने घुटनों को झुकने देना। उसकी आराधना करो!

- एन दानिएल।

विश्वास की दैनिक परीक्षा

ईमानदारी के विषय पर एक ब्रिटिश पादरी की यह एक सार्थक कहानी है। इस विषय को लेकर उन्होंने एक रविवार को प्रचार किया था। अगली सुबह, अध्ययन करने चर्च वापस जाने के लिए उन्होंने एक ट्राली-बस पकडा। ड्राइवर ने सफर का भाड़ा वसूल किया और छुट्टा पैसा वापस किया। फिर पादरी ने देखा कि ड्राइवर ने ज्यादा पैसा वापस किया।

आप अंदाजा लगा सकते हो कि वह पादरी ने क्या सोचा होगा जब वे उन सिक्कों को गिन रहे थे: "परमेश्वर किस रीति अपनी जरूरतों को पूरा करते है, वह अद्भुत है!" मगर जितना देर वह बैठे रहे उतना उनके हाथों में वह सिक्के गरम हो रहे थे और उतनी ही वे बेचैन हो रहे थे।

जब उतरने का समय आया, उन्होंने आगे जाकर, ड्राइवर को वह ज्यादा पैसे वापस लौटा दिया : "लो, आपने मुझे ज्यादा छुट्टा दे दिया। आपसे गलती हो गई।"

तब ड्राइवर ने कहा, "नहीं, मैंने गलती नहीं की। देखो, कल रात जब आप ईमान दारी की बात कर रहे थे, मैंने सोचा कि मैं

सत्य की परख!

"क्यों कि हमारे लिए एक बालक उत्पन्न होगा, हमें एक पुत्र दिया जाएगा; और प्रभुता उसके कांधे पर होगी, और उसका नाम अद्भुत युक्ति करनेवाला, पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा। (यशायाह 9:6)

आपको परखूँ।"

हर जाँच, ऐसा हो कि शायद इस तरह खुल्लमखुल्ला सामने नहीं आये। मगर अक्सर तभी घटती हैं जबकि हम उनकी प्रायः अपेक्षा नहीं करते। प्रति दिन के परीक्षण में हम कितना अंक पा रहे है? सिद्धांत में ज्ञानी होने के लिए प्राप्तांक, से भी महत्वपूर्ण है ये अंक जो हमे इन दैनिक परीक्षाओं में मिलते है। हमारी आस्था और आचरण दोनों हाथ में हाथ मिलाकर चलना चाहिए। हमारा व्यवहार ही हमारे विश्वास और विचार-धारणओं का प्रमाण है।

- चार्ल्स आर स्विन्डॅल।

परमेश्वर एक मार्ग बनायेंगे

'गॉड विल मेक अ वे ', डॉन मोयन की यह गाने के पीछे, मन को छू जाने वाली एक कहानी है। दर्द से भरे कई दिलों को इस गाना ने महान सान्त्वना और शान्ति पहुँचाया।

देर शाम का समय, डॉन मोयन को एक फोन कॉल आया। विध्वंसक समाचार था कि उनकी पत्नी की बहन ने एक कार दुर्घटना में अपने बड़े बेटे को खोया है। अठारह-पहियों वाली एक बड़े से ट्रक ने उस वैन को बाजू में टक्कर मारा जिस में क्रेइग और सूजन फेलप्स और उनके चारों बेटे सफर कर रहें थे। चारों लडके गाड़ी से बाहर जा गिरे। जब कि तीन बेटों को अपनी चिल्लाहट से पता लगाया गया कि वे कहाँ पर पड़े हैं, मगर जरमी बाड़े के एक खम्भे के पास पड़ा हुआ पाया गया। उसका गर्दन टूट ग ई थी। एक मिडिकल डॉक्टर होते हुए भी क्रेइग, अपने बेटे को बचाने के लिए कुछ न हीं कर पाया। ऐम्ब्युलन्स का इन्तजार करने के सिवाय, उस विरान जगह पर वे लोग कुछ नहीं कर पायें।

कुछ घंटों बाद, जब डॉन को उस दुर्घटना का समाचार मिला, तो उस की दुनिया मानो थम सी गई हो। मगर कई हफ्तों पहले से ही तय एक रिकॉर्डिंग के लिए, अगले सुबह ही उनको उड़ान भरनी थी। हाँलाकि वे जानते कि क्रेइग और सूजन कितना दुख में डूबे है, मगर अंतिमसंस्कार के एक दिन पहले ही डॉन वहाँ उनके पास पहुँच पाये।

उस विपत्ति के बाद, उस सुबह उडान के दौरान, परमेश्वर ने उनके लिए, डॉन को एक गाना दिया: "परमेश्वर एक मार्ग बनायेंगे, जहाँ कोई रस्ता ना दिखे। उनके कार्य भले ही हम ना देख सके; फिर भी मेरे लिए वह मार्ग बनायेंगे। " यशायगह (43:19) पर यह गाना आधारित है: "देखो, मैं एक नया काम करूंगा। वह अभी प्रकट होगा। क्या तुम उस से अनजान ही बने रहोगे? मैं जंगल में एक मार्ग बनाऊँगा और मरुभूमि में नदियां बहाऊंगा।"

जब ऐसा लग रहा था मानो सारी आशा खो गयी है, क्रेइग और सूजन को यह गाना बहुत सन्त्वना लाता। आशा और साहस बढाते, इस गाने ने उनके दिल में लगी चोट को छुआ था। सूजन से, डॉन को चि ट्ठी आ ई जिस में सूजन ने यशायाह (43:4) का जिक्र किया था: 'तू मेरी दृष्टि में अनमोल और प्रतिष्ठित है और मैं तुझ से प्रेम करता हूँ, इसलिए मैं तेरे बदले मनुष्य, वरन तेरे जीवन के बदले राज्य, राज्य के लोग दे दूंगा।' 'पवित्र वचन के सत्य को हमने देखा है।' सूजन ने लिखा।

जरमी के दोस्तों ने यह जान लिया कि मरने से पहले उसने प्रभु यीशु को अपने जीवन में स्वीकार किया है। उन में से कई अपने माता-पिता से पूछने लगे कि वे इस बात से निश्चत कैसे हो पायेंगे कि जब वे मरें गे, वे जरूर स्वर्ग पहुचेंगे। इस हादसे ने क्रेइग और सूजन को, प्रभु के पीछे और गहरी रूप से चलने के लिए प्रेरित किया। सेवकाई के नई क्षेत्रों में जाने का प्रोत्साहन दिया। क्रेइग ने अपने चर्च में, सण्डे स्कूल में पढ़ाना शुरू किया। सूजन 'वुमेन्स अग्लो' संस्था में स क्रिय भाग लेने लगी। वे अपनी कहानी वहाँ के लोगों से बाँटती अपनी दुख के समय प्रभु के प्रबन्ध के बारे में वे लोगों को बताती।

तब से वे यह कहती, 'उस दुर्घटना के दिन, जब मैं गाड़ी से बाहर आई, हमारा बेटा अब नहीं रहा – यह जानने से पहले ही मैं यह जानती थी कि मेरे सामने चुनाव दो है। या तो मैं गुस्सा और कडुवाहट से भर जाती। या फिर परमेश्वर को मैं पूरी तरह से स्वाकार करती। और फिर वे जो हमारे लिए रखा है उसे स्वीकार करती।' उन दोनों के बीच मुझे चुनना होगा और मुझे जल्दी चुनाव करना होगा। उस चुनाव का परिणाम स्वरूप फल मैं देख चुका हूँ। अगर दुबारा मुझे ऐसा करना पड़े तो, और एक बार करने के लिए मैं तैयार हूँ। जरमी के साथ जो हुआ, उसके वजह से दूसरे लोग स्वर्ग जा पायेंगे – यह बात जानने योग्य है। परमेश्वर ने सचमुच हमारे लिए रस्ता बनाया है!'

परमेश्वर एक मार्ग बनायेंगे
जहाँ कोई रस्ता ना दिखे,
उनके कार्य भले ही हम देख ना सके,
फिर भी, मेरे लिए वे मार्ग बनायेंगे।
वे मेरे मार्गदर्शक बनेंगे।

निकट अपने वो मुझे रखते,

हर नये दिन के लिये
प्रेम और ताकत देते हुए
वे मार्ग बनायेंगे।
वे मार्ग बनायेंगे।

एक पथप्रर्दशक क्रिसमस

मैं एक शीतकालीन दिन को स्मरण करती हूं कि मेरे जीवन में मैं एक गोल पत्थर की तरह खड़ी थी। मौसम असाधारण रूप से ठंडा था। हमारा वेतन नियमित रूप से नहीं दिया जाता था और हमारी आवश्यकतायें पू री नहीं हो पाती थीं। मेरे पति एक पा दरी थे जो अधिक समय तक एक जिले से दूसरे जिले का भ्रमण करते थे।

मेरे लड़को का स्वास्थ य अच्छा था, किन्तु मेरी छोटी बेटी रूथ हमेशा बिमार रहती थी, और अंतः हम में से कोई भी अच्छा वस्त्र नहीं पह ने था। मैं कई पैबंद लगे वस्त्र पहनी थी। जिसके साथ मेरी आत्मा भी असफलता के कारण डूब रही थी। हमें कुओं से पानी मिलता था और हवा फर्श की दरारों से होकर अन्दर आती थी।

पैरिश के लोग दयालु और उदार भी थे ; परन्तु हमारा आवास नया था, और हरेक परिवार अपने आप के लिये संघर्ष कर रहा था। थोड़े-थोड़े समय पर मैं अधिक जरूरत महसूस करती थी जिससे मेरा विश्वास कमजोर होना शुरू होगया था। आरंभिक जीवन में मुझे सिखाया गया कि परमेश्वर के वचन को अपने में लो और मैंने सोचा कि मैं ने अपना पाठ अच्छी तरह से सीख लिया है। मैं ने आत्मिक अंधेरे के समय में परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर भरोसा रखा, जब तक मैंने दाऊद की तरह नहीं जाना, "कौन मेरा दुर्ग या शरणस्थान और मेरा छुड़ानेवाला है।" अब एक क्षमाशीलता की प्रार्थना थी जो मैं ने अर्पण किया। मेरे पति का कोट अक्टूबर में ठंड से बचने के लिये मुश्किल से ही पर्याप्त था और उन्हें अक्सर किसी सभा या अंतिम संस्कार के लिये कई मील जाना पड़ता था। बहुत बार हमारा नाश्ता मकई की रोटी और बिना चीनी के एक कप चाय होती थी।

क्रिसमस आ रहा था। बच्चे अक्सर अपने लिए तोहफे की आशा करते थे। मुझे याद है बर्फ मोटी और चिकनी थी और बच्चे हमेशा से ही स्केट्स की एक जोड़ी की चाहत कर रहे थे। रूथ कुछ अनोखे तौर पर, कल्पना किये थी जो गुड़िया मैं ने बनायी थी अब और ज्यादा उसके लिए अच्छी नहीं रह गई थी। अब उसे एक बड़ी गुड़िया की चाहत थी और वह इसके लिये प्रार्थना करने पर जोर दे रही थी। मैं जानती थी कि यह सब असंभव था। परन्तु ओह मैं प्रत्येक बच्चे को उनका तोहफा देना चाहती थी। ऐसा लगता था कि परमेश्वर ने हमें छोड़ दिया था, पर मैंने अपने पति से इस विषय में कुछ नहीं कहा था। वे बहुत सच्चाई और पूरे हृदय से कार्य करते थे। मैंने मान लिया कि वे हमेशा की भांति आशावादी ही रहेंगे। जितना मैं कर सकी, मैंने बैठक कमरे को आग जला कर आनन्ददायक बनाया और मैंने थोड़े से भोजन को आकर्षक ढंग से परोसने की कोशिश की।

क्रिसमस की पहली सुबह जेम्स को एक बीमार व्यक्ति को देखने को बुलाया गया। मैंने एक रोटी का टुकड़ा उनके दोपहर के लिये रखा - ज्यादा से ज्यादा मैं यही कर सकी – मैंने अपना ऊनी शाल उनके गले के चारों ओर लपेट दिया और एक प्रतिज्ञा को फुसफुसाने की कोशिश की, जैसा कि मैं प्रायः किया करती थी, पर शब्द मेरे होंठों में ही लुप्त हो गया। मैं ने उन्हें बिना प्रार्थना के ही जाने दिया।

वह एक अंधेरा और आशाहीन दिन था। मैंने बच्चों को फुसला कर बिस्तर पर सुला दिया क्योंकि मुझे उनकी बातें सहन नहीं हो रही थीं। जब रूथ बिस्तर पर गयी, मैंने उसकी प्रार्थना सुनी। उसने अंतिम बार बड़ी स्पष्टता से अपनी गुड़िया के लिये कहा और अपने भाईयों के स्केट्स के लिये भी प्रार्थना की। उसका दमकता हुआ चेहरा इतना जीवन्त था जब उसने मेरे कानों में फुसफुसाया। "आप जानती हैं और मैं सोचती हूं कि वे सभी चीजें जल्दी सुबह यहां पर होंगी, माँ।" मैं चुपचाप अकेले बैठ गई और कड़ुवाहट से भर कर आँसू बहाने लगी।

काफी देर बाद जेम्स कांपते और थके हारे वापस लौट आये। उन्होंने अपना बूट उतारा। पतला मोजा भी उसके साथ ही उतर गया और उनके पैर ठंड से लाल हो गये थे। "एक विश्वासयोग्य सेवक की बात ही अलग है, मैं एक कुत्ते से भी इस प्रकार का व्यवहार नहीं करूंगी ।" मैंने कहा। जैसे मैं ने उन पर नजर डाली उनके चेहरे पर गहरी लकीरें और निराशा नजर आयी किन्तु जेम्स ने उन्हें व्यक्त न किया। मैंने उन्हें एक कप चाय दी ; यह सब सोचकर मेरा सिर चकराने

लगा और मुझे महसूस हुआ कि मैं बीमार पड़ जाऊंगी। जेम्स ने मेरा हाथ पकड़ा और बिना कोई बात किये हम दोनों एक घंटा यूं ही चुपचाप बैठे रहे। मेरी आत्मा विद्रोह और निराशा से भर गई।

घंटियों की आवाज सुनाई दी और फिर थोड़ी चुप्पी के बाद दरवाजे पर जोर की दस्तक हुई। जेम्स उछल कर दरवाजा खोलने उठे। बाहर डीकन ह्वाइट खड़े थे। उन्होंने कहा "अंधेरा होने से पहले एक्सप्रेस से एक बॉक्स आया था। मैं जितनी जल्दी हो सके इसे पहुँचाने आया हूँ। मैंने अनुमान लगाया कि यह क्रिसमस के लिये हो सकता है। मैंने कहा कि किसी भी मूल्य पर इसे आज रात को ही पहुँचाना चाहिये। यह एक टर्की (मुर्गी) है जिसे मेरी पत्नी ने भेजा है और ये कुछ और चीजें हैं मैं आशा करता हूं कि ये भी आपका ही है।"

एक आलू की टोकरी और एक थैला आटा था वह कुछ समय बातें करते हुए बॉक्स को हमें थमाया और हार्दिक अभिवादन कर चले गये। बिना बात किये जेम्स ने एक छेनी से बॉक्से को खोला। सबसे पहले उसमें से एक लाल कम्बल निकला और उसने देखा कि इसके नीचे और भी कपड़े भरे हुए थे। उस क्षण मुझे ऐसा लग रहा था जैसे यीशु ख्रीष्ट ने मुझे जकड़ लिया और उनकी नजरें मेरी निन्दा कर रहीं थी। जेम्स बैठ गया और अपने हाथों से अपने चेहरे को ढांप लिया। 'मैं इसे नहीं छू सकता।" उसने जोर से कहा, "इस बार मैं सच्चा नहीं रह पाया हूँ जब परमेश्वर मुझे जाँचने की कोशिश कर रहे थे कि उनपर मेरा विश्वास स्थिर है कि नहीं। क्या तुम ने सोचा कि मैंने नहीं देखा कि कैसे तुम कष्ट उठा रहे हो? मेरे पास तुम्हें सांत्वना देने को शब्द नहीं थे, अब मैं जानता हूं कि कैसे भयंकरता से मैं परमेश्वर से दूर चला गया था।" "जेम्स" मैं ने उन पर झुकते हुए कहा, "इसे इस तरह अपने हृदय में मत लो। दोष मेरा है। मुझे तुम्हारी सहायता करनी चाहिये थी। चलो, हम लोग मिलकर उनसे क्षमा मांगेंगे। "एक क्षण रूको, प्रिये मैं अभी बात नहीं कर सकता हूं। " जेम्स ने कहा और दूसरे कमरे में चले गये। मैंने घुटने टेके, मेरा दिल टूट गया। तुरन्त ही सारा अंधकार और सारी ढिठाई चली गई। यीशु फिर से आये और मेरे सामने खड़े हुए और स्नेह भरे शब्दों से कहा, "बेटी!" और उनकी मधुर प्रतिज्ञा की ताजगी और आनन्द मेरे दिल में भर गया। मैं प्रशंसा और कृतज्ञता में इतना लीन हो गई कि मैं सब कुछ भूल गई। मैं नहीं जानती कि यह कितने समय तक रहा इसके पहले कि जेम्स लौट आये, उन्होंने भी शांति पायी।

"अब मेरी प्रिय पत्नी, " उन्होंने कहा, "आओ हम मिलकर परमेश्वर को धन्यवाद दें, " और तब वे प्रशंसा के शब्दों को उंडेलने लगे, बाईबल के वाक्य; और कुछ भी नहीं बल्कि धन्यवाद ज्ञापन करते रहे।

रात के ग्यारह बजे थे आग कम थी और बड़ा बॉक्स था पर हमने कुछ भी नहीं छुआ था पर हमें गर्म कम्बल की जरूरत थी। हमने कुछ लकड़ी के टुकड़ों को आग में डाला, दो मोमबत्ती जलायी और अपना खजाना देखना आरम्भ किया। हमने एक ओवर कोट निकाला। मैंने जेम्स को उसे पहनने को कहा जो कि बिलकुल सही नाप का था। मैं उनके चारों ओर घूम कर नाचने लगी। उसके बाद हमने ए क लबादा (क्लोक) निकाला, और जेम्स मुझे उसमें देखना चाहते थे। मेरी आत्मा हमेशा की तरह उन्हें प्रभावित किया, और हम दोनों मूर्ख बच्चों की तरह हंसने लगे। उस बॉक्स में गर्म कपड़ों के सूट और तीन जोड़ी मोजा और मेरे लिये एक ड्रेस था। कई गज फलालेन था, सभी के लिये आर्कटिक लम्बे जूते थे। मेरी जोड़ी जूतो मैं एक पर्ची थी। अब यह मुझे फिर मेरे बच्चों को सौंपना था।

उसमें यह लिखा था , यह मूसा था जिसने आशेर को आशिष दी, "तुम्हारे जूते लोहे और पीतल के होंगे, और जैसे तुम्हारे दिन वैसे तुम्हारी सामर्थ होगी।" दस्ताने में, स्पष्टता से जेम्स के लिये उसी प्रिय हाथों ने लिखा, "मैं तुम्हारा प्रभु यहोवा, आपके दाहिने हाथ को पकडूगा, आपसे कहूंगा, डरो मत, मैं तुम्हारी सहायता करूंगा। " यह एक अद्भुत बॉक्स था जो सुनियोजित ढंग से और सावधानी से रखा गया था। इस में लड़को के लिये सूट और रूथ के लिये लाल गाऊन था। दस्ताने, स्कार्फ और शिरोवस्त्र थे। बॉक्स के केन्द्र में नीचे एक दूसरा बॉक्स था। हमने इसे खोला और वहां एक बड़ी मोम की गुड़िया थी। मैं फिर से रो पड़ी। जेम्स भी खुशी से रो पड़ा। यह बहुत अधिक था ! तब हम फिर से देखना शुरू किया। ठीक पीछे दो जोड़ी स्केट्स थे। हमारे पढ़ने के लिये पुस्तकें थी। उनमें से कुछ पुस्तकें, एप्रोन और अंदर के कपड़े, गांठ लगाये हुए फीते, एक चमकीला छोटा सजाने वाला, एक सुन्दर फोटोग्राफ, सूई, बटन और धागा और वास्तव में मफलर और एक लिफाफा जिसमें दस डॉलर के सोने की मोहरें थे।

अंत में हमने सभी चीजें निकाली। आधी रात बीत चुकी थी। हम खुशी के कारण कमजोर और थके हुए थे। मैंने चाय बनाई और ताजी पावरोटी को काटा, जेम्स ने कुछ अंडे उबाले। हमने मेज को आग के पास किया और हमने अपने रात के भोजन का आनन्द लिया ! तब हमारे जीवन के बारे में बातें की कि किस तरह परमेश्वर ने अपनी निश्चित सहायता को सिद्ध किया। अगली सुबह बच्चों को देखते ही बनता था। लड़के अपने स्केट्स को देखकर खुशी से चिल्लाये। रूथ ने अपनी गुड़िया को पकड़ा और जोर से उसे गले लगाया और बिना कुछ कहे वह अपने कमरे में गयी और अपने बिस्तर के बगल में घुटने टेके। जब वह वापस आयी, उसने मुझसे फुसफुसाकर कहा, "मैं जानती थी ये यहां रहेंगे, माँ। पर मैं इन सब के लिये परमेश्वर को धन्यवाद देना चाहती थी। " हम सब खिड़की के पास खड़े होकर बाहर देखा। लड़के घर के बाहर अपनी सारी शक्ति के साथ बर्फ पर स्केटिंग कर रहे थे।

मेरे पति और मैंने पूर्व में चर्च के लोगों को धन्यवाद देने की कोशिश की जिन्होंने उस बॉक्स को भेजा था और उस समय से प्रतिदिन परमेश्वर को धन्यवाद दिया करते थे। कठिन समय बार-बार आये किन्तु हमने परमेश्वर पर भरोसा रखा, उनके सुरक्षामय रखवाली पर कभी संदेह नहीं किया। बार-बार उन्होंने सिद्ध किया कि "यहोवा के खोजियों को किसी भली वस्तु की घटी नहीं होगी। " (भ जन.संहिता. 34:10)

पहाड़ी उपदेश -मत्ती अध्याय 5

3 धन्य हैं वे , जो मन के दीन हैं , क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।
4 धन्य हैं वे , जो शोक करते हैं , क्योंकि वे शांति पाएंगे।
5 धन्य हैं वे , जो नम्र हैं , क्योंकि वे पृथ्वी के अधिकारी होंगे।
6 धन्य हैं वे जो धर्म के भूखे और प्यासे हैं , क्योंकि वे तृप्त किये जाएंगे।
7 धन्य हैं वे, जो दयावन्त हैं, क्योंकि उन पर दया की जाएगी।
8 धन्य हैं वे , जिन के मन शुद्ध हैं , क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे।
9 धन्य हैं वे , जो मेल करवाने वाले हैं, क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र कहलाएंगे।
10 धन्य हैं वे , जो धर्म के कारण सताए जाते हैं , क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।
11 धन्य हो तुम , जब मनुष्य मेरे कारण तुम्हारी निन्दा करें , और सताएं और झूठ बोल बोलकर तुम्हरो विरोध में सब प्रकार की बुरी बात कहें।
12 आनन्दित और मगन होना क्योंकि तुम्हारे लिये स्वर्ग में बड़ा फल है इसलिये कि उन्होंने उन भविष्यद्वक्ताओं को जो तुम से पहिले थे इसी रीति से सताया था॥
13 तुम पृथ्वी के नमक हो ; परन्तु यदि नमक का स्वाद बिगड़ जाए , तो वह फिर किस वस्तु से नमकीन किया जाएगा ? फिर वह किसी काम का नहीं , केवल इस के कि बाहर फेंका जाए और मनुष्यों के पैरों तले रौंदा जाए।
14 तुम जगत की ज्योति हो ; जो नगर पहाड़ पर बसा हुआ है वह छिप नहीं सकता।
15 और लोग दिया जलाकर पैमाने के नीचे नहीं परन्तु दीवट पर रखते हैं, तब उस से घर के सब लोगों को प्रकाश पहुंचता है।
16 उसी प्रकार तुम्हारा उजियाला मनुष्यों के साम्हने चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे पिता की , जो स्वर्ग में हैं , बड़ाई करें॥
.....
19 इसलिये जो कोई इन छोटी से छोटी आज्ञाओं में से किसी एक को तोड़े, और वैसा ही लोगों को सिखाए, वह स्वर्ग के राज्य में सब से छोटा कहलाएगा; परन्तु जो कोई उन का पालन करेगा और उन्हें सिखाएगा, वही स्वर्ग के राज्य में महान कहलाएगा।
20 क्योंकि मैं तुम से कहता हूं , कि यदि तुम्हारी धार्मिकता शास्त्रियों और फरीसियों की धार्मिकता से बढ़कर न हो , तो तुम स्वर्ग के राज्य में कभी प्रवेश करने न पाओगे॥
21 तुम सुन चुके हो , कि पूर्वकाल के लोगों से कहा गया था कि हत्या न करना, और जो कोई हत्या करेगा वह कचहरी में दण्ड के योग्य होगा।
22 परन्तु मैं तुम से यह कहता हूं , कि जो कोई अपने भाई पर क्रोध करेगा, वह कचहरी में दण्ड के योग्य होगा: और जो कोई अपने भाई को निकम्मा कहेगा वह महासभा में दण्ड के योग्य होगा ; और जो कोई कहे "अरे मूर्ख" वह नरक की आग के दण्ड के योग्य होगा।
23 इसलिये यदि तू अपनी भेंट वेदी पर लाए , और वहां तू स्मरण करे, कि मेरे भाई के मन में मेरी ओर से कुछ विरोध है , तो अपनी भेंट वहीं वेदी के साम्हने छोड़ दे।
24 और जाकर पहिले अपने भाई से मेल मिलाप कर ; तब आकर अपनी भेंट चढ़ा।